
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
» ARJUN BATCH «
कक्षा-12 | राजनीति विज्ञान
दो ध्रुवीयता
का अंत
CHAPTER 01 | PART 03
LIVE | 26 AUG | 6 PM
RIICO
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

सोवियत प्रणाली



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

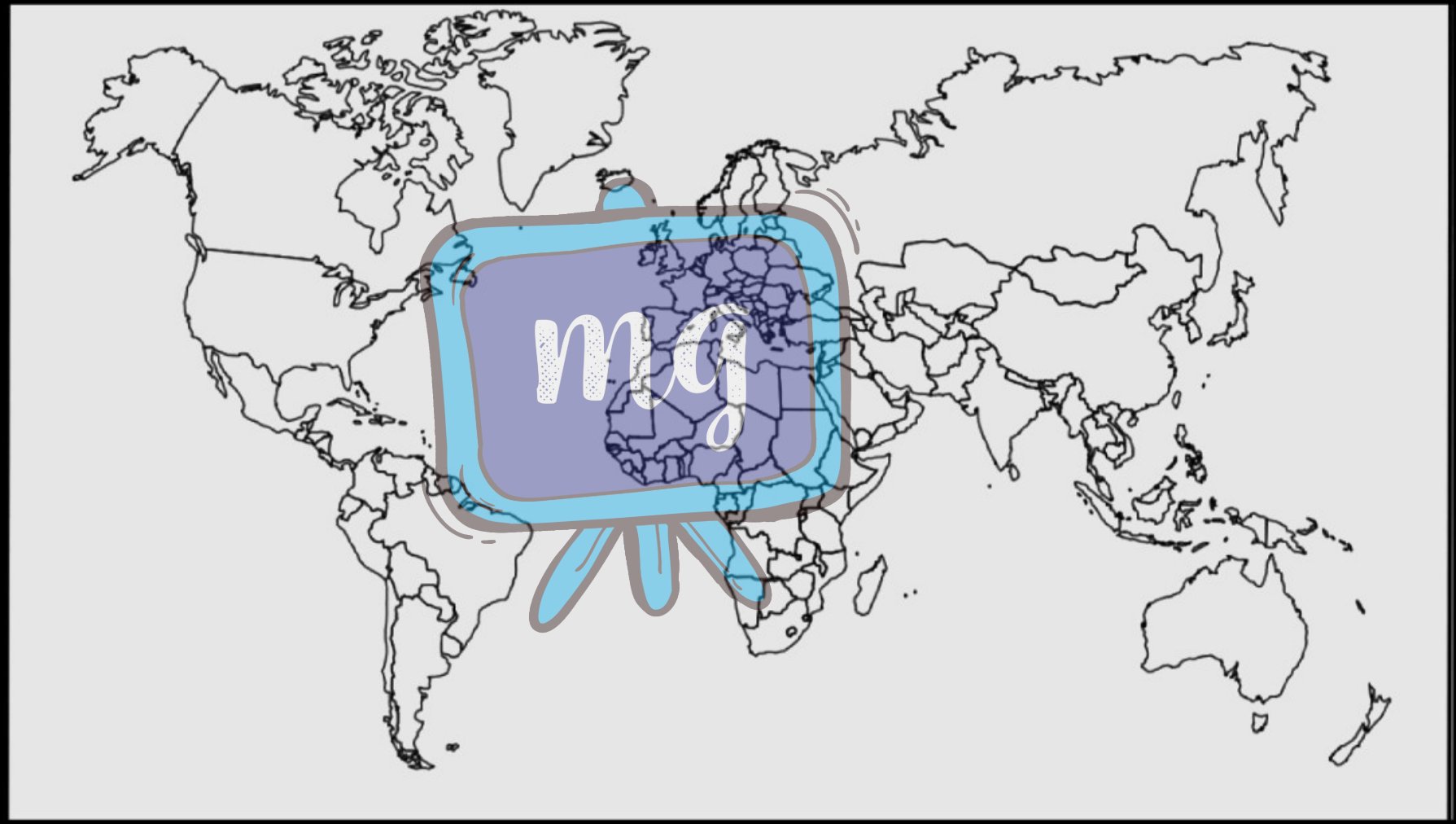


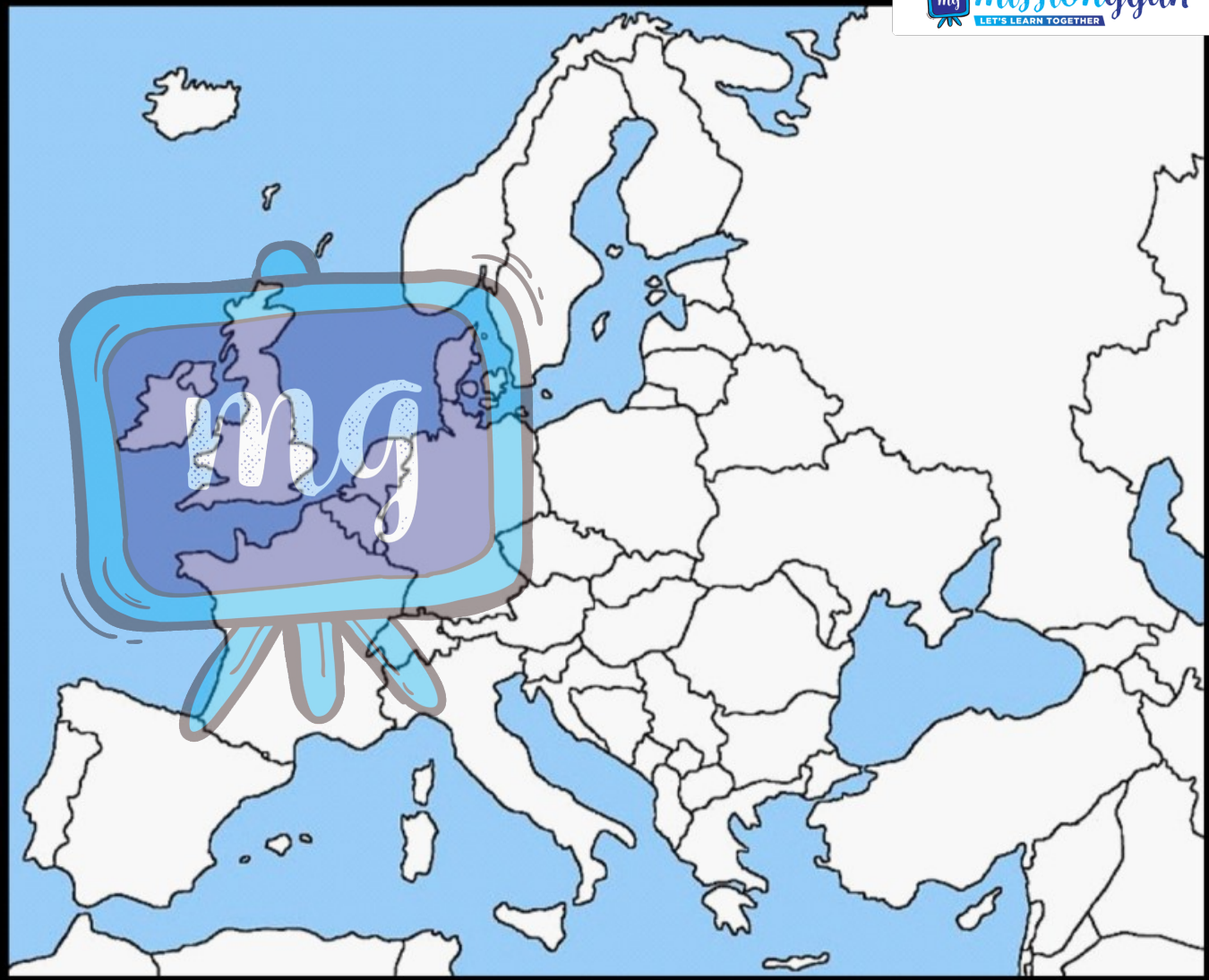


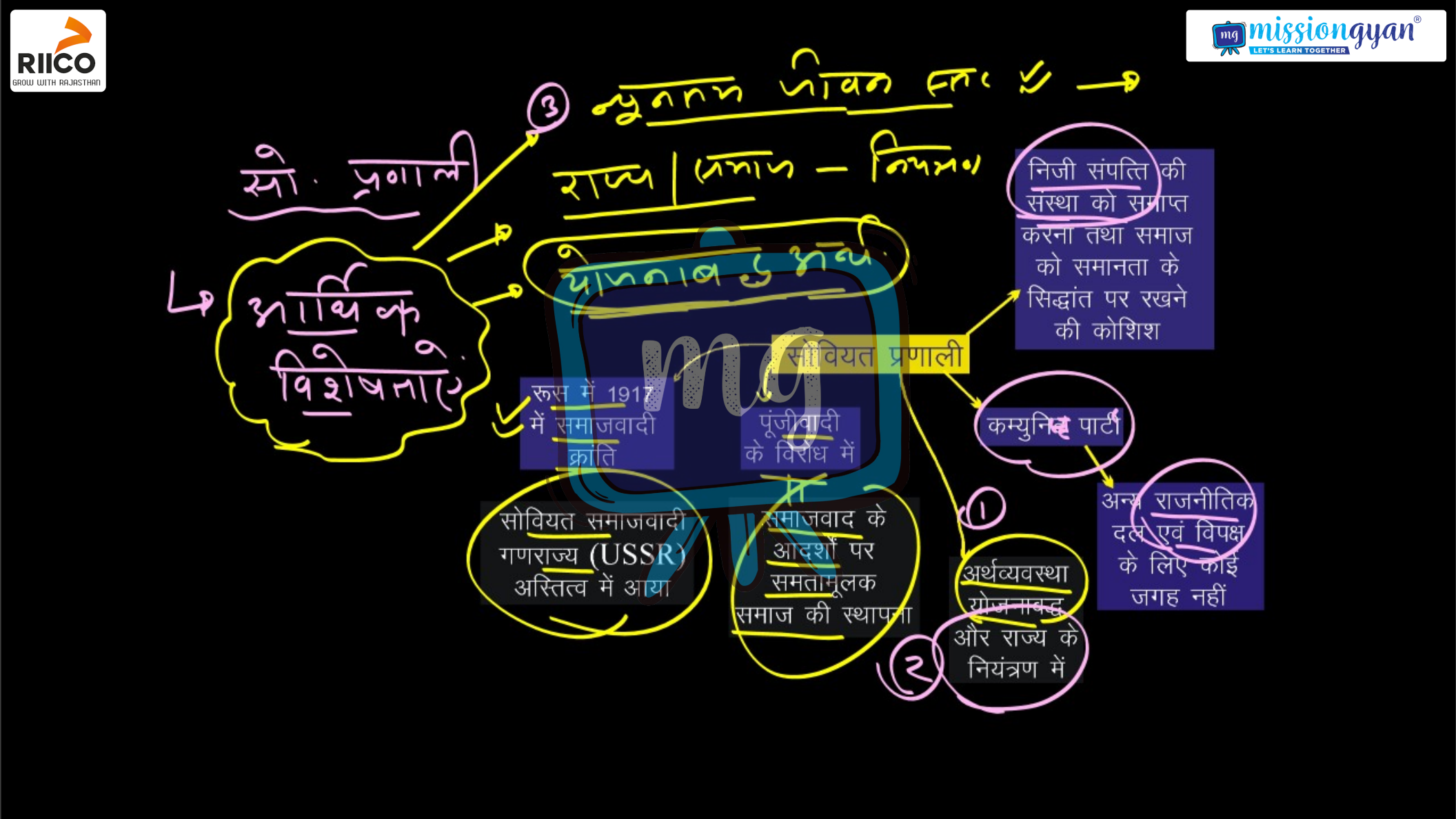


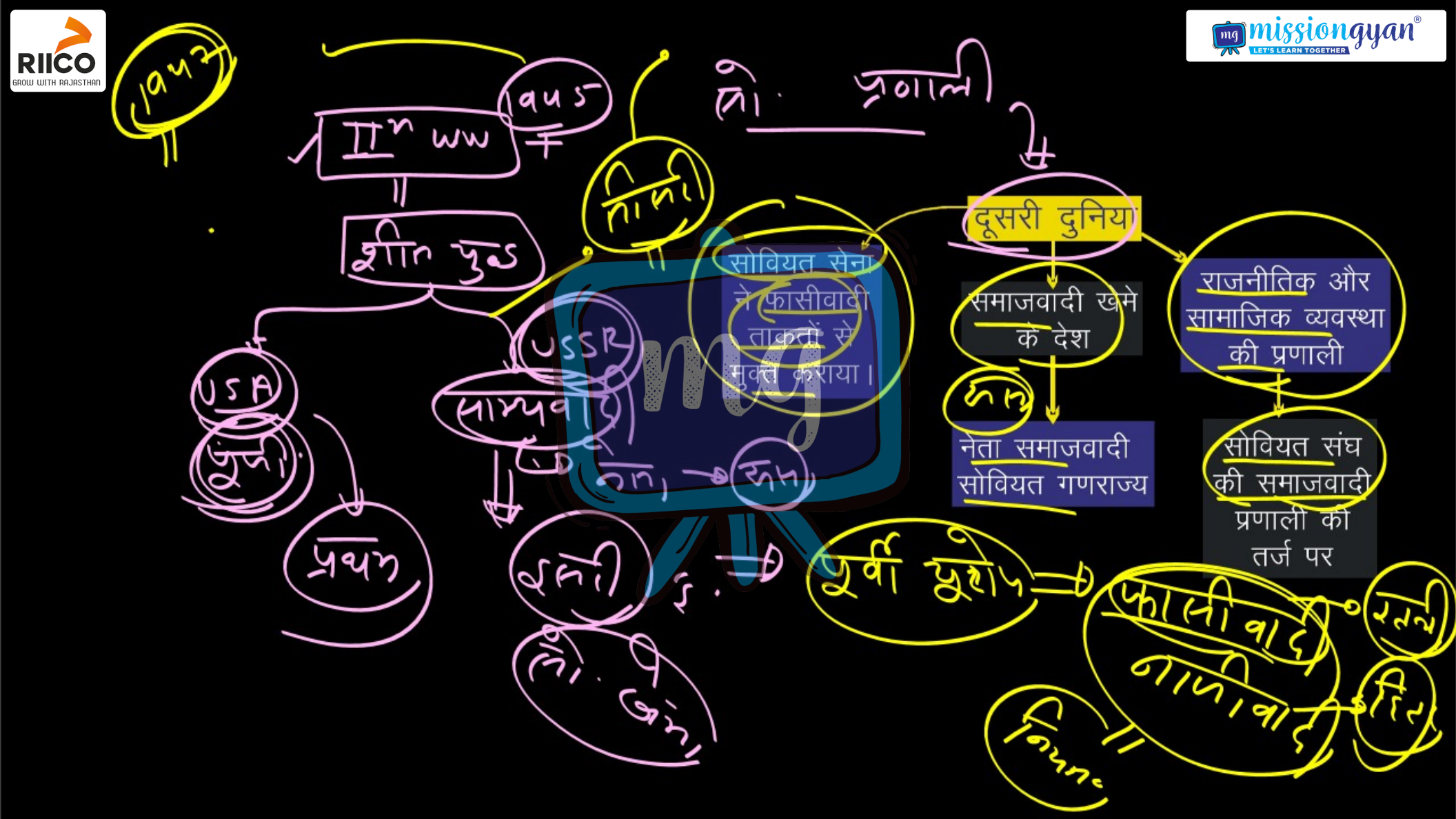









सो. प्रणाली
आर्थिक विशेषताएं
सोवियत प्रणाली
रूस में 1917 में समाजवादी क्रांति
पूंजीवादी के विरोध में
सोवियत समाजवादी गणराज्य (USSR) अस्तित्व में आया
समाजवाद के आदर्शों पर समतामूलक समाज की स्थापना
निजी संपत्ति की संस्था को समाप्त करना तथा समाज को समानता के सिद्धांत पर रखने की कोशिश
कम्युनिस्ट पार्टी
अन्य राजनीतिक दल एवं विपक्ष के लिए कोई जगह नहीं
अर्थव्यवस्था योजनाबद्ध और राज्य के नियंत्रण में


1943
1945
II nd WW
शीत युद्ध
USA
USSR
साम्यवाद
पूंजी
प्रयास
सोवियत सेना ने फासीवादी ताकतों से मुक्त कराया।
दूसरी दुनिया
समाजवादी खेमे के देश
नेता समाजवादी सोवियत गणराज्य
राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था की प्रणाली
सोवियत संघ की समाजवादी प्रणाली की तर्ज पर
पूर्वी यूरोप
फासीवाद
नाजीवाद
France

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद

- सोवियत संघ महाशक्ति के रूप में उभरा।
- अर्थव्यवस्था ज्यादा विकसित।
- उन्नत संचार प्रणाली।
- विशाल ऊर्जा संसाधन।
- दूर-दराज के इलाकों में आवागमन की सुव्यवस्थित और विशाल प्रणाली।
- घरेलू उपभोक्ता उपभोग भी उन्नत।
- सरकारी बुनियादी जरूरत की चीजें जैसे स्वास्थ्य-सुरक्षा, शिक्षा, बच्चों की देखभाल, लोककल्याण की चीजें रियायती दर पर उपलब्ध कराती।
- बेरोजगारी नहीं थी।
- भूमि और अन्य उत्पादक संपदाओं पर स्वामित्व व नियंत्रण राज्य का।

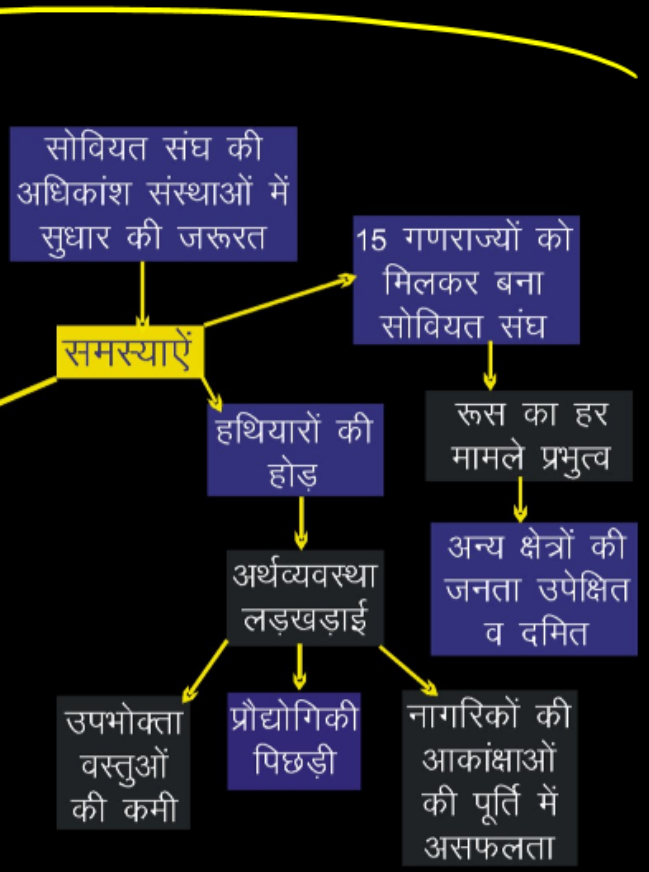
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

② सो. प्रणाली की कमियाँ/ समस्याएँ :

- (i) राजनीति संकट
- आर्थिक संकट
- सरकारी नीतियाँ
- अफगानिस्तान में हस्तक्षेप

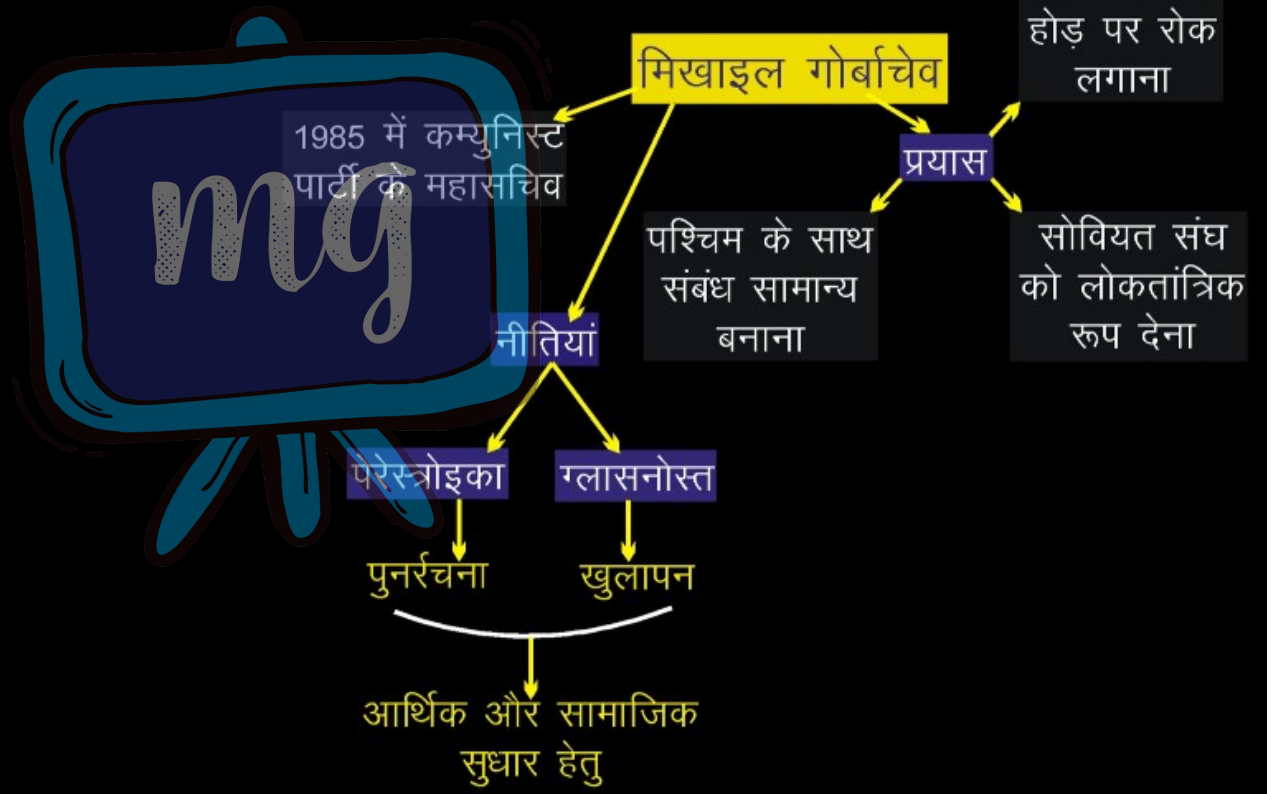




RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

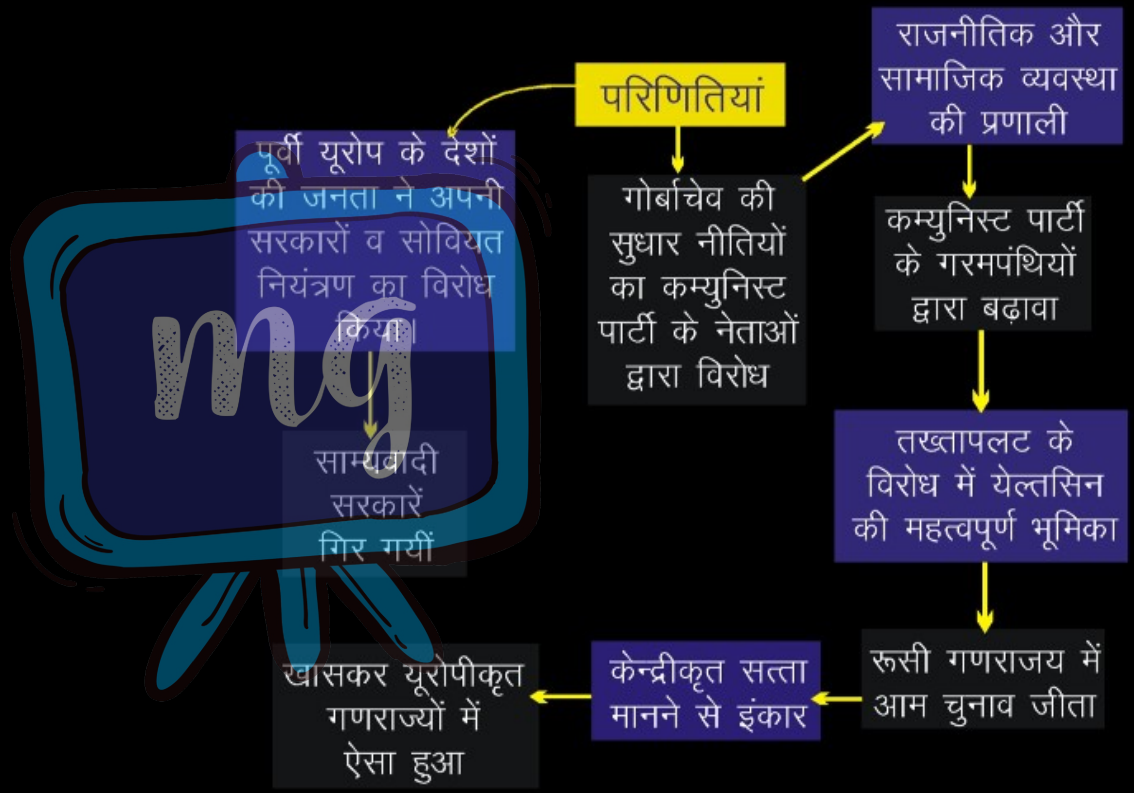
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कुछ कदम समाधान की ओर

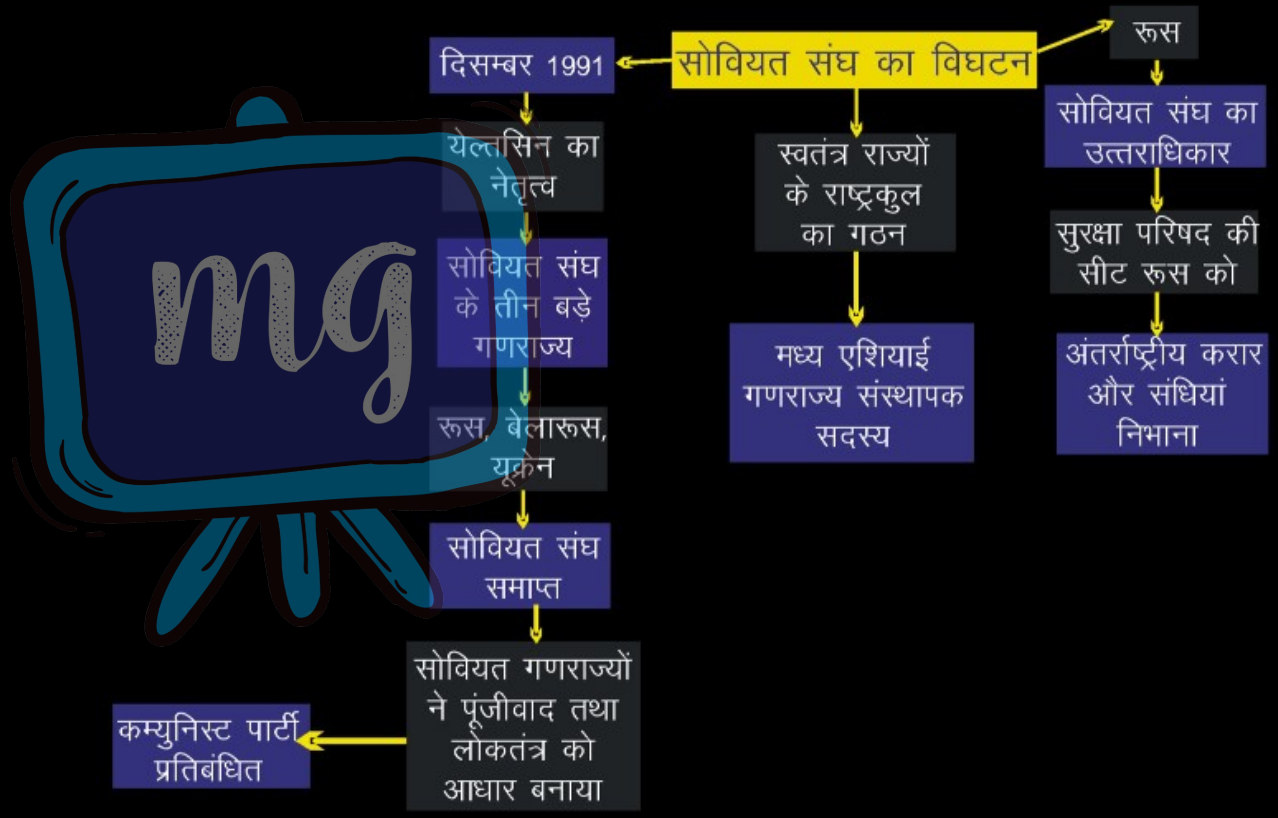


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

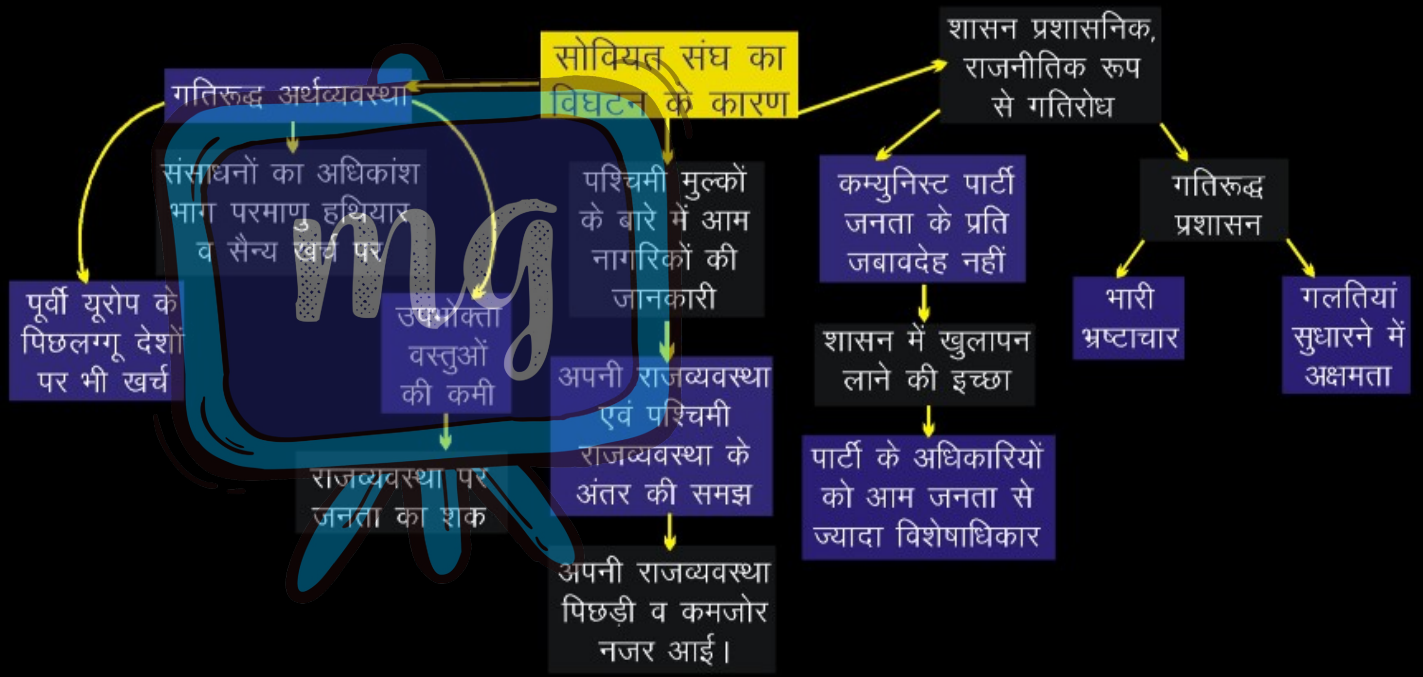


'मध्य एशियाई' गणराज्यों ने अपने लिए स्वतंत्रता की मांग नहीं की, वे सोवियत संघ के साथ ही रहना चाहते थे।


सोवियत संघ का विघटन
दिसम्बर 1991
येल्तसिन का नेतृत्व
सोवियत संघ के तीन बड़े गणराज्य
रूस, बेलारूस, यूक्रेन
सोवियत संघ समाप्त
सोवियत गणराज्यों ने पूंजीवाद तथा लोकतंत्र को आधार बनाया
कम्युनिस्ट पार्टी प्रतिबंधित
स्वतंत्र राज्यों के राष्ट्रकुल का गठन
मध्य एशियाई गणराज्य संस्थापक सदस्य
रूस
सोवियत संघ का उत्तराधिकार
सुरक्षा परिषद की सीट रूस को
अंतर्राष्ट्रीय करार और संधियां निभाना

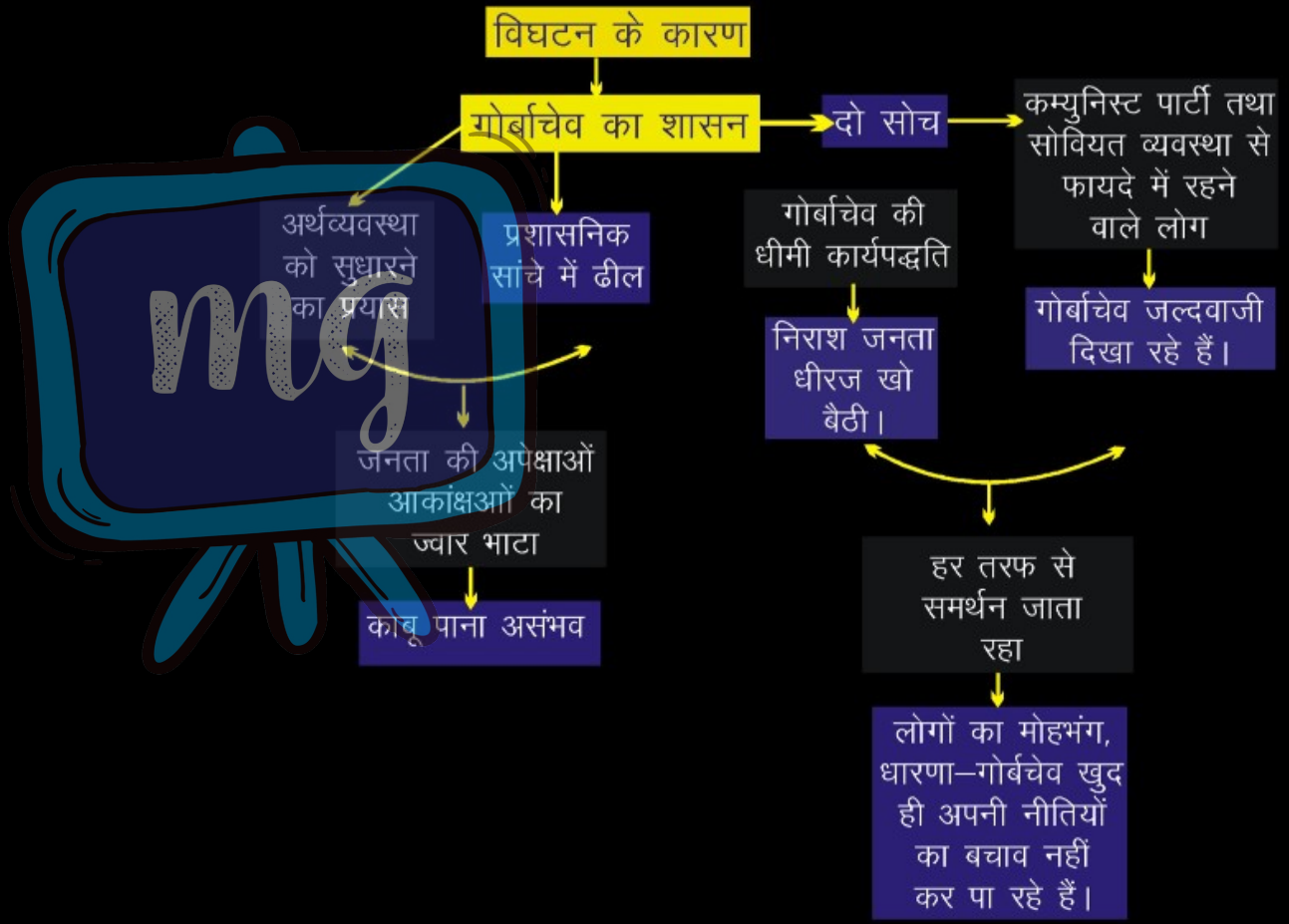
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



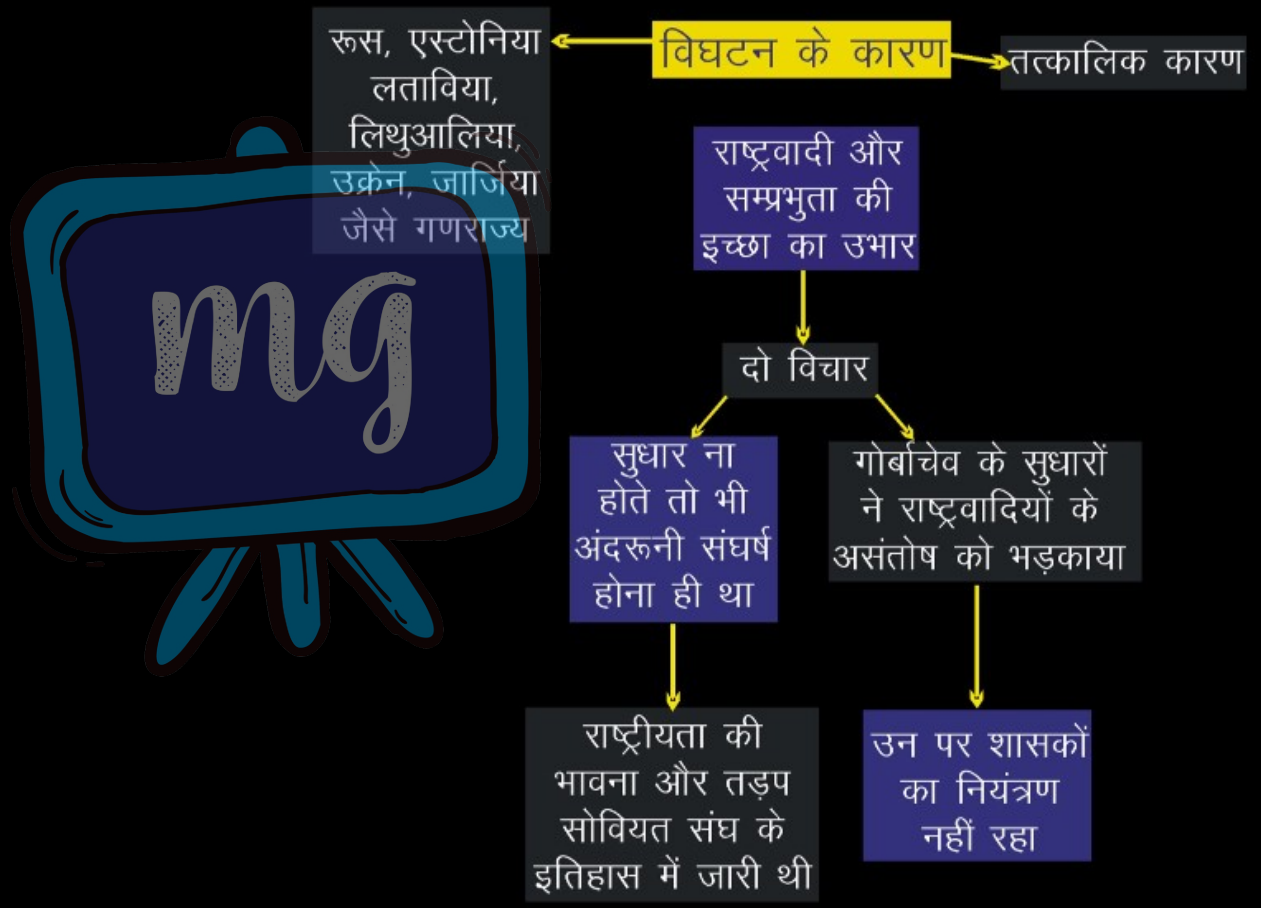
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

चौकाने वाली घटना

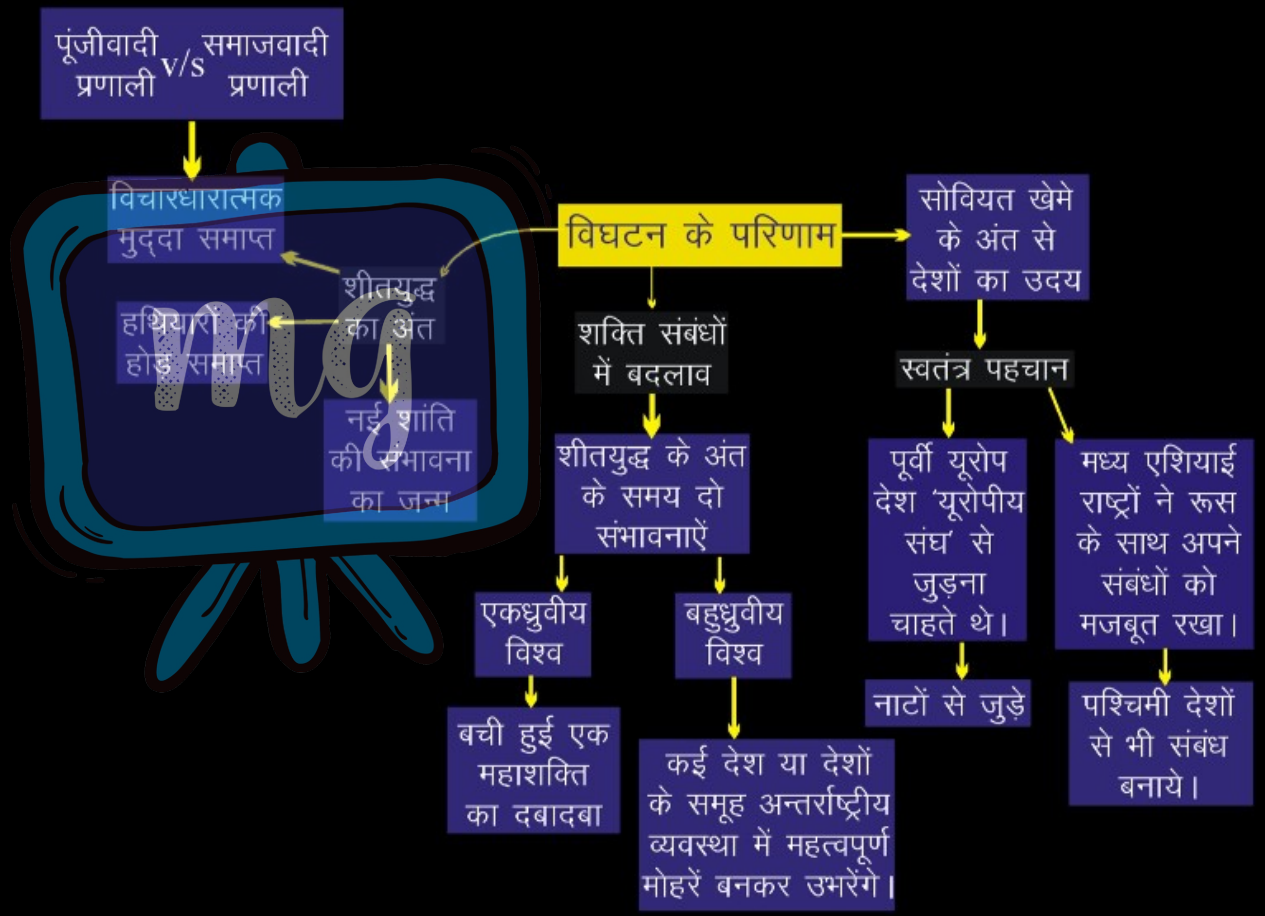
पूर्वानुमान : सोवियत संघ के मध्य एशियाई गणराज्यों में राष्ट्रवादी आकांक्षाओं का उभार सबसे अधिक होगा।

क्योंकि : ये रूस से धार्मिक और नस्ली लिहाज से अलग तथा आर्थिक रूप से पिछड़े हुए थे।

लेकिन : सोवियत संघ के प्रति राष्ट्रवादी असंतोष यूरोपीय और अपेक्षाकृत समृद्ध गणराज्यों में सबसे प्रबल नजर आया।

कारण : यहां के आम लोग अपने आपको मध्य एशियाई लोगों से अलग थलग महसूस कर रहे थे।

इनके मन में यह भाव घर कर गया कि ज्यादा पिछड़े इलाके सोवियत संघ में शामिल करने में उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।


पूंजीवादी प्रणाली v/s समाजवादी प्रणाली
विचारधारात्मक मुद्दा समाप्त
शीतयुद्ध का अंत
हथियारों की होड़ समाप्त
नई शांति की संभावना का जन्म
विघटन के परिणाम
शक्ति संबंधों में बदलाव
शीतयुद्ध के अंत के समय दो संभावनाऐं
एकध्रुवीय विश्व
बची हुई एक महाशक्ति का दबादबा
बहुध्रुवीय विश्व
कई देश या देशों के समूह अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में महत्वपूर्ण मोहरें बनकर उभरेंगे।
सोवियत खेमे के अंत से देशों का उदय
स्वतंत्र पहचान
पूर्वी यूरोप देश 'यूरोपीय संघ' से जुड़ना चाहते थे।
नाटों से जुड़े
मध्य एशियाई राष्ट्रों ने रूस के साथ अपने संबंधों को मजबूत रखा।
पश्चिमी देशों से भी संबंध बनाये।